

KJ-110

March-2014

M.A. Part-II (Annual Pattern)

Gujarati, Paper-VII

અનુદિત અને અપઠિત

Time : 3 Hours]

[Max. Marks : 100

1. 'મુકામ શાંતિનિકેતન' સંગ્રહમાં પ્રગટ થતી પુ.લ. દેશપાંડેની સર્જકતા વિશે નોંધ તૈયાર કરો. **20**
અથવા
'લેખ' વિભાગમાં પ્રગટતી રવીન્દ્ર છબિ સ્પષ્ટ કરી પુ.લ. દેશપાંડેના સંવેદનવિશ્વ વિશે તમારા વિચારો રજૂ કરો.
2. 'ચેખોવની શ્રેષ્ઠ વાર્તાઓ' સંગ્રહને આધારે ચેખોવની વાર્તાકલાનું મૂલ્યાંકન કરો. **20**
અથવા
તમને ગમતી ચેખોવની કોઈ એક વાર્તાનો વિગતે આસ્વાદ કરાવો.
3. નિબંધ લખો : **30**
 - (1) મારો પ્રિય સાહિત્યકાર
 - (2) મધ્યકાલીન ગુજરાતી આખ્યાન
 - (3) સાહિત્ય અને સમાજ
 - (4) ગુજરાતી સાહિત્યમાં નારીચેતના
4. તમારી કોલેજમાં યોજાયેલા સાહિત્યવિષયક સેમિનાર વિશે અહેવાલ તૈયાર કરો. **10**
અથવા
તમારી કોલેજ આસપાસ વધેલા લારી-ગલ્લાના ત્રાસ વિશે કોઈ એક વર્તમાનપત્રને જાણ કરતો અહેવાલ લખો.
5. સંસ્કૃતમાંથી ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરો : **20**
ઈશાવાસ્યમિદ સર્વં યત્ કિઞ્ચ જગત્યાં જગત્ ।
તેન ત્યક્તેન ભુજ્જીથા મા ગૃધઃ કસ્યસ્વિદ્ ધનમ્ ॥ - 1
કર્મણ્યેવાધિકારસ્તે મા ફલેષુ કદાચન ।
મા કર્મફલહેતુર્ભૂઃ મા તે સઙ્ગોઽસ્ત્વકર્મણિ ॥ - 2
યથા કાષ્ટં ચ કાષ્ટં ચ સમેયાતાં મહોદધૌ ।
સમેત્ય ચ વ્યપેયાતાં તદ્વદ્ ભૂતસમાગમઃ ॥ - 3

અથવા

न चोरहार्यं न च राजहार्यं,
 न भातृभाज्यं न च भारकारी ।
 व्यये कृते वर्धत एक नित्यं,
 विद्याधनं सर्वं धनप्रधानम् ॥ – 1
 पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः,
 स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः ।
 नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः,
 परोपकाराय सतां विभूतयः ॥ – 2
 परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः
 परोपकाराय वहन्ति नद्यः ।
 परोपकाराय दुहन्ति गावः
 परोपकारार्थमिदं शरीरम् ॥ – 3

अंग्रेजीभांशी गुजरातीभां अनुवाद करो :

We cannot go far in our study of literature before we realize that it involves the study of the history of literature. A great writer is not an isolated fact. He has his affiliations with the present and the past; and through these affiliations he leads us inevitably to his contemporaries and predecessors, and thus at length to a sense of a national literature as a developing organism having a continuous life of its own, yet passing in the course of its evolution through many varying phases. Thus is our study of literature on the historical side we shall have to consider two things – the continuous life, or national spirit in it; and the varying phases of that continuous life or, the way in which it embodies and expresses the changing spirit of successive ages.

अथवा

Children had no reason to unbelieve this. They all knew that Ba is the living force, the source of inspiration for Bapuji. He studied after marriage and became a respectable man in the society because of Ba. Bapuji respected Ba's word throughout the life. Whenever the children wanted to go on the picnic or to attend musical classes or would like to go out of station, they took Ba's approval first Bapuji could never reject what Ba had accepted. But Hriday many-a-times could hardly comprehend why, through Bapuji always honoured Ba, she scolded him as if he were a kid. Yet, Ba was very conscious about the smallest requirements of Bapuji. Children always knew that Bapuji is the center of the home.

छिन्दीभांशी गुजरातीभां अनुवाद करो :

अवसर कोई ऐसी चीज नहीं है जो रोटी, दाल की तरह सबके सामने परोसा जा सके । उसे पाने के लिए अपने गुणों का विकास करना होता है, तत्परता, मुस्तेदी और धीरता भी सीखनी होती है और उम्र तथा अनुभवों का भी इंतजार करना पड़ता है । मगर नेतागिरी का चसका लग जाने के कारण लोगों की इंतजारी की लियाकत घट गई है और जिस जगह पर आदमी धीरे धीरे और बड़ी कोशिशों के बाद पहुँचता है, उस जगह पर अब लोग छलांग मारकर पहुँच जाना चाहते हैं ।

मगर जो लोग छलांग मारकर आगे बढ़ना चाहते हैं, उसका कारण क्या है ? कुछ तो यह है कि कभी-कभी दूसरों को उन्होंने छलांगें मारकर आगे बढ़ते देखा है और अधिकतर यह है कि वे काम करना नहीं, हुकम चलाना चाहते हैं । वे मानते हैं कि जिन्दगी का असली मजा मेहनत करने में नहीं, अपने मातहतों को हिदायत भेजने में है । वे इस बात को भूल जाते हैं कि हिदायत भेजने की योग्यता काम करने से ही आती है और हिदायत भेजने का काम इतना आसान भी नहीं है कि उसे जो भी चाहे, पूरा कर दे । योजना बनाने और आदेश भेजने की सही जिम्मेदारी को वही निभा सकता है जो उन कामों का अनुभव प्राप्त कर चुका है, जिसकी देख-रेख का भार उसे सौंपा गया है । इसलिए जो आदमी अनुभव के तौर से होकर गुजरने से इनकार करता है, मेहनत से भागकर आराम की जगह पर पहुँचने के लिए बेचैन है, उसकी यह बेचैनी ही इस बात का सबूत है कि वह अपने संगठन का अच्छा नेता नहीं बन सकता ।